बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
21 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 117
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कार खाई में गिरी, 5 की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क हादसे में आज दोपहर एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के चार लोगों सहित पांच की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी को बाहर निकालकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दोपहर करीब दो बजे सेनेटोरियम- रातीघाट बायपास रोड, भवाली स्थित ढैला गांव से लगभग 500 मीटर पूर्व एक महिंद्रा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। वाहन में एक ही परिवार के चार लोगों सहित पांच लोग सवार थे। दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी द्वारा तत्काल पुलिस बल को मौके पर रवाना किया गया। स्थानीय पुलिस एसडीआरएफ तथा स्थानीय नागरिकों द्वारा संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। दुर्घटना में 5 व्यक्तियों (2 पुरुष, 2 महिलाएं एवं 1 बच्चा)' की मृत्यु होना प्रकाश में आया है, सभी के सम्बंध में आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा सभी 5 शवों को खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया गया है।

मौके पर एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चन्द्र, क्षेत्राधिकारी रविकांत सेमवाल, प्रभारी निरीक्षक प्रकाश मेहरा', एसडीआरएफ एवं पुलिस बल मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्य कर रहे हैं। मृतकों की शिनाख्त एवं विस्तृत विवरण प्राप्त किए जाने की कार्यवाही प्रचलित है। घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य निरंतर जारी है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मृतकों के नाम भूपेंद्र सिंह चुफाल निवासी खटीमा, सीमा कैड़ा चुफाल पत्नी भूपेंद्र सिंह चुफाल, वासु चुफाल पुत्र भूपेंद्र सिंह चुफाल, रवी पुत्री भूपेंद्र सिंह चुफाल व चालक अनुज कुमार मिश्रा पुत्र दया सागर मिश्रा निवासी अफसर नगर एलपीजी गोदाम आलम नगर लखनऊ बताये जा रहे है।

शार्प शूटर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। बीते वर्ष 26 मई को राजपुर क्षेत्र में हुई हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारोपी कुख्यात शार्प शूटर है जिस पर करीब दो दर्जन के आस-पास संगीन धाराओं में मुकदमें दर्ज है। हत्या की यह सुपारी मृतक के सौतेले भाई द्वारा दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीते वर्ष 26 मई को जतिन कुमार निवासी जी.एम.एस. रोड देहरादून द्वारा थाना राजपुर पर तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके ममेरे भाई अजय बटेजा के निवास स्थान 58/1 कृष्णा विहार जाखन देहरादून में उनकी हत्या कर दी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस को घटना में

●एक वर्ष पूर्व राजपुर में दिया था हत्या की घटना को अंजाम
●प्रोपर्टी विवाद में सौतेले भाई ने ही दी थी शूटर को सुपारी

मुज्जफरनगर के शातिर अपराधी राजन उर्फ जैकी के शामिल होने की जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर पुलिस द्वारा राजन के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित करते हुये उसे 19 मई को खालापार जनपद मुज्जफरनगर उ.प्र. से हिरासत में लेते हुये पूछताछ हेतु थाना राजपुर पर लाया गया, जिससे सख्ती से पूछताछ करने पर बताया कि 26 मई 2025 को उसने तकिये से गला दबाकर अजय भटेजा की हत्या की थी। बताया कि वह मृतक अजय बटेजा व उसके सौतेले भाई अमित बटेजा को पिछले कई वर्षों से जानता था। मृतक अजय भटेजा शराब पीने का आदी था, जिसके पास देहरादून व मसूरी मे कई सम्पतियाँ थी। दिनांक 23/05/25 को अमित बटेजा उसको अपने सौतेले भाई अजय बटेजा व अन्य दो महिलाओं के साथ अजय बटेजा का मसूरी स्थित कार्टेज दिखाने ले गया, इस दौरान अमित बटेजा द्वारा उसको बताया गया कि अजय बटेजा के पास जो सम्पति है उसमे उसके पिता का पैसा भी लगा हुआ है। उसके द्वारा कई बार अजय बटेजा को अपनी प्रोपर्टी/सम्पति मे से कुछ हिस्सा उसे देने को कहा गया लेकिन वह उसे सम्पत्ति में कोई हिस्सा न देकर सारा पैसा अय्याशी मे लूटा रहा है। इस दौरान अमित बटेजा ने उसको अजय बटेजा को रास्ते से हटाने तथा उसके एवज में जाखन स्थित प्रोपर्टी में से उसे आधा हिस्सा देने तथा नकुड सहारनपुर में हुये गोली काण्ड, जिसमे हत्यारोपी शामिल था,में उसका नाम न आने देने का ऑफर दिया गया, जिस पर हत्यारोपी यानी राजन अजय बटेजा की हत्या करने के लिये तैयार हो गया। बताया कि घटना को अंजाम देने के लिये वह 25 मई 2025 को अपनी प्रेमिका हुमेरा उर्फ जोया के साथ अमित बटेजा से सहारनपुर मे मिला, जहां उनके द्वारा अजय बटेजा की हत्या की योजना बनायी। उसके पश्चात हत्यारोपी अपनी प्रेमिका, अमित बटेजा व अपने एक अन्य साथी नीरज, जिसे उक्त प्लॉन की कोई जानकारी नहीं थी,

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़ा तूफान आने वाला है?

एक तरफ देश में आर्थिक संकट की आंधी आई हुई है तो वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक तूफान अपने ऊफान पर है। चारों ओर से अब बस इस तरह के स्वर ही सुनाई दे रहे हैं कि देश में कुछ बड़ा होने वाला है। यह बात अलग है कि इसके पदचाप 2024 के चुनावी नतीजो के समय से ही सुनाई पड़ने लगे थे लेकिन नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने भाजपा का साथ देकर इसे दबाने में भरपूर योगदान दिया। खाड़ी युद्ध के दौरान अगर गंभीर एनर्जी संकट न खड़ा हुआ होता तो शायद जोड़ जुगाड़ के जरिए केंद्र सरकार 2029 तक के अपने कार्यकाल को येनं केन प्राकरेण निकाल ही लेती लेकिन अब उसके लिए मुश्किल ही नहीं असंभव प्रतीत होने लगा है मोदी और उनकी सरकार की लगातार गिरती साख के साथ आम आदमी ने अब सरकार के सहयोगियों को भी कोसना शुरू कर दिया तथा कुछ तो नायडू और नीतीश को भी इसका खामियाजा भोगने तक की बात खुलकर करने लगे हैं। देश में राहुल गांधी तो लंबे समय से लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ ही रहे हैं लेकिन इस बीच पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस की हार तथा नीट के पेपर लीक मामले ने विपक्ष की लड़ाई को और अधिक मजबूत कर दिया है। ममता बनर्जी अब मोदी और शाह की सरकार को उखाड़ फेंकने की चुनौती दे रही है क्योंकि उन्हें नायडू का साथ मिलता दिख रहा है। देश में हो रहे एसआईआर जिसमें लाखों लाख नागरिकों को उनके वोट के संवैधानिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है और देश की सर्वोच्च अदालत भी उनकी मदद नहीं कर पा रही है जिसके कारण सरकार की पीठ पर वोट चोरी का ठप्पा लग रहा है वहीं दूसरी तरफ युवा बेरोजगार नीट की परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने तथा परीक्षार्थियों के आत्महत्या के मुद्दे पर आग बबूला है। देश में एक तरफ गंभीर एनर्जी संकट तथा पेट्रोल डीजल गैस की बढ़ती कीमतों से लोगों का आक्रोश आसमान पर है और ट्रांसपोर्टर चक्का जाम पर आमादा है वही आम आदमी उपभोक्ता वस्तुओं की हर रोज बढ़ रही कीमतों को लेकर परेशान है तथा पूरे देश में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। इस बीच पीएम मोदी की विदेश यात्रा और उनकी मौज मस्ती की तस्वीरें है तो दूसरी तरफ चीफ जस्टिस कि वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने बेरोजगार युवाओं को पैराडाइज कॉकरोच कहा था देश का युवा आग बबूला है। भले ही अब सीजेआई इस पर सफाई दे चुके हो लेकिन युवाओं ने कॉकरोच जनता पार्टी के गठन से प्रत्योत्तर सीजेआई व सरकार को करारा जवाब दिया है। अभिजीत जो इस पार्टी के संस्थापक है भले ही उन्होंने इसे मजे खोरी में किया हो लेकिन किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि चंद दिन व चंद घंटे में ही उनके फॉलोअर 5 मिलियन से भी पार निकल जाएंगे जो भाजपा और कांग्रेस के बाद आम आदमी पार्टी से भी अधिक है। कॉकरोच जनता पार्टी अब 2029 में चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी है खास बात यह है कि इस पार्टी को जेन जे की परिणिति माना जा रहा है। इसकी लोकप्रियता ग्राफ जिस तेजी से बढ़ रहा है, हो सकता है कि आने वाले समय में यह भाजपा और कांग्रेस के आसपास पहुंच जाए। एक समय में आम आदमी पार्टी की टोपी पहन कर जैसे लोग मैं भी हूं आम आदमी, के प्रचार में जुटे थे इस दौर में भी मैं भी हूं कॉकरोच का दौर शुरू हो चुका है जिसने सरकार के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी है। तमाम हालात पर गौर करें तो लगता तो यही है कि अब इस देश में कुछ बड़ा होकर ही रहेगा। क्योंकि यह देश के समाज की अकुलाहट को दर्शाता है।

डीएम ने सड़क चौड़ीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया

हमारे संवाददाता

चम्पावत। स्वाला क्षेत्र में संचालित सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों का जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, गति एवं तकनीकी मानकों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मौके पर चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कहा कि सड़क परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में आवागमन को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाना है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के उच्च मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता एवं यात्रियों को दीर्घकालिक लाभ मिल सके। मानसून अवधि में स्वाला क्षेत्र में मार्ग अवरुद्ध न हो तथा यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा कार्यों, जल निकासी व्यवस्था एवं भूस्खलन रोकथाम संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समय से पूर्ण किया जाए, ताकि बरसात के दौरान यातायात सुचारु एवं सुरक्षित बना रहे।

उत्तराखंड में विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-14)

सड़क पर सियासत की रफ्तार 2027 में गड्ढों से लेकर हाईवे तक हो सकता हैं चुनावी संग्राम

हाईवे 'चमक' रहे और गांव हैं 'बदहाल'

❑चारधाम की राहें हुई सुगम, गांवों में हिचकोले खा रही है जिंदगीं
❑सड़कों की गुणवत्ता, लैंडस्लाइड व ग्रामीण कनेक्टिविटी का दर्द
❑अधूरी सड़कों और घटिया निर्माण को लेकर लोगों में है असंतोष

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 के लिए जैसे-जैसे राजनीतिक दल अपनी जमीन मजबूत कर रहे हैं, वैसे-वैसे यह साफ होता जा रहा है कि इस बार सड़क सूबे का सबसे ज्वलंत चुनावी मुद्दा बनने जा रही है। एक तरफ जहां सत्ताधारी भाजपा सरकार अपनी डबल इंजन रफ्तार और चारधाम कनेक्टिविटी के दम पर दोबारा सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की रणनीति बना रही है, वहीं कांग्रेस ने सड़कों की गुणवत्ता, लैंडस्लाइड और ग्रामीण कनेक्टिविटी को लेकर सरकार को घेरने का पूरा मन बना लिया है।

राज्य के पर्वतीय इलाकों में हालात यह हैं कि कई गांव आज भी बरसात में मुख्य सड़कों से कट जाते हैं। जगह-जगह भूस्खलन और दरकती सड़कों ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे में विपक्ष सरकार पर हाईवे की चमक और गांवों की बदहाली का आरोप लगाकर जनता के बीच मुद्दा बनाने की तैयारी कर रहा है। वहीं सरकार दावा कर रही है कि उत्तराखंड में अब तक का सबसे बड़ा रोड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिसमें देहरादून-हरिद्वार कारिडोर, ऋषिकेश बाईपास और चारधाम परियोजनाएं शामिल हैं।

2027 से पहले सड़कों पर राजनीति इसलिए भी तेज होती दिख रही है क्योंकि पहाड़ में विकास का सबसे सीधा पैमाना आज भी सड़क पहुंची या नहीं माना जाता है। गांवों में सड़क बनने का मतलब अस्पताल, स्कूल, बाजार और रोजगार से जुड़ाव है। लेकिन कई इलाकों में अधूरी सड़कों और घटिया निर्माण को लेकर लोगों में असंतोष लगातार बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर भी खराब सड़कों और सरकारी लापरवाही को लेकर लोगों की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा इस चुनाव में बुनियादी ढांचे, विशेषकर सड़कों के कायाकल्प को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। सरकार के रणनीतिकारों का मानना है कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के साथ-साथ ऋषिकेश-बद्रीनाथ-केदारनाथ आल वेदर रोड ने राज्य में पर्यटन और तीर्थयात्रा की तस्वीर बदली है।

चीन सीमा से सटे पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी जैसे सीमांत जिलों तक सड़कों के सुदृढ़ीकरण को राष्ट्रवाद और सुरक्षा से जोड़कर पेश किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि सुगम सड़कों के कारण चारधाम यात्रा में रिकार्ड श्र(ालु पहुंच रहे हैं, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिला है। दूसरी ओर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस नैरेटिव को काटने के लिए जमीनी मुद्दों को उठाना शुरू कर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार केवल मुख्य राजमार्गों की चमक दिखा रही है, जबकि राज्य के अंदरूनी हिस्सों की स्थिति जस की तस है।

राजनीतिक जानकार मानते हैं कि 2027 में भाजपा विकास और बड़े रोड प्रोजेक्ट्स को चुनावी चेहरा बनाएगी, जबकि कांग्रेस और क्षेत्रीय दल गांवों की जमीनी समस्याओं, पलायन और खराब सड़क व्यवस्था को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरेंगे। खासकर पर्वतीय सीटों पर सड़क, स्वास्थ्य और पलायन एक-दूसरे से जुड़े बड़े चुनावी प्रश्न बन सकते हैं।

पहाड़ की 'सांसें' अब हो गई हैं 'बंजर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के सीढ़ीनुमा खेतों में हरियाली किसी चित्रकार की बनाई तस्वीर जैसी लगती थी। लेकिन आज वही खेत बंजर पड़े हैं। कहीं झाड़ियां उग आई हैं तो कहीं पत्थर और सूखी मिट्टी ने खेती की आखिरी उम्मीद भी निगल ली है। कभी धान, मंडुवा और झंगोरे से लहलहाने वाले उत्तराखंड के पहाड़ी गांवों के खेत पलायन, बंदर-सुअर आतंक और बदलती जिंदगी ने वीरान बना दिए है।

उत्तराखंड के पर्वतीय अंचलों में बंजर होते खेत केवल खेती का संकट नहीं, बल्कि टूटते पहाड़ की सबसे दर्दनाक कहानी बन चुके हैं। गांवों से युवाओं का पलायन लगातार बढ़ रहा है, जो हाथ कभी हल चलाते थे, वह अब शहरों में नौकरी और मजदूरी की तलाश में भटक रहे हैं। पीछे बच गए हैं बूढ़े मां-बाप, बंद घर और खाली खेत। पहाड़ की खेती पहले ही मौसम की मार झेल रही थी, ऊपर से बंदरों और जंगली सूअरों ने किसानों की कमर तोड़ दी। कई गांवों में लोगों ने खेती करना इसलिए छोड़ दिया क्योंकि रातभर की मेहनत सुबह उजड़े खेतों में बदल जाती है। खेतों की मेड़ों पर अब बच्चों की आवाजें नहीं, बल्कि सन्नाटा पसरा रहता है।

सबसे बड़ा दर्द यह है कि जिन खेतों ने पीढ़ियों का पेट भरा, आज वही खेत अपने लोगों का इंतजार कर रहे हैं। गांव की बुजुर्ग महिलाएं आज भी आस लगाए बैठी हैं कि शायद इस बार उनका बेटा

शहर से लौटकर खेतों में हल चलाएगा। लेकिन हर साल यह उम्मीद भी सूखी मिट्टी की तरह दरकती जा रही है। पहाड़ में खेती केवल रोजगार नहीं थी, वह संस्कृति थी, रिश्तों की डोर थी, सामूहिकता का उत्सव थी। पड्यूाल और रोपाई जैसी परंपराएं गांवों को एक परिवार की तरह जोड़ती थीं। आज खेत बंजर हुए तो उनके साथ लोकगीत, मेलजोल और गांव की आत्मा भी सूखने लगी है।

❑पहाड़ में बंजर खेतों की छाती पर उगती कंटीली झाड़ियां और सिसक रही हमारी विरासत
❑जिन खेतों में कभी लहलहाता था धान और मंडुवा, वहां आज उगी हैं कँटीली झाड़ियाँ
❑पहाड़ की खेती को निगल गई है वन्यजीवों की मार, गांवों को खा गया पलायन का दंश

आज पहाड़ के सीढ़ीदार खेत एक अजीब सी खामोशी ओढ़े हुए हैं। यह खामोशी हरी-भरी फसलों की नहीं, बल्कि खेतों के बंजर होने और उनके सीने पर उग आई कटीली झाड़ियों की है। पहाड़ में खेतों के बंजर होने के पीछे एक ऐसा दुष्चक्र है, जिसने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है। ग्रामीणों के मुताबिक खेती छोड़ने की सबसे बड़ी वजह केवल रोजगार की तलाश नहीं, बल्कि जंगली जानवरों का आतंक भी है। पहाड़ के बंजर होते खेत सिर्फ मिट्टी का टुकड़ा नहीं हैं आत्मा के सूखते जाने के जीवंत दस्तावेज हैं।

जनरल खंडूरी - एक सिपाही, एक सदेश अनुशासन की आखिरी सलामी

1- वो वर्दी उतार कर आया था, पर अनुशासन उतार न पाया था। 36 साल सरहद सींची थी, फिर कुर्सी को भी सीमा बनाया था। बोफोर्स की तोपें देखी थीं, फिर कलम से घोटाले दागे थे। जिस फौजी ने दुश्मन कंपाए थे, उसने कुर्सी के गद्दार भगाए थे।

काम नहीं तो दाम नहीं का नारा देकर, बाबुओं की नींद उड़ा दी थी। नोट अफ्रूव्ड की आदत छुड़ाकर, फाइलों को पंख लगा दिए थे। लोकायुक्त की कलम से उसने, भ्रष्टाचार का चेहरा काला किया। अन्ना भी बोले - ऐसा कानून, पहाड़ के जनरल ने कमाल किया।

आपदा में जब पहाड़ रोया था, एसडीआरएफ बनाकर हाथ बढ़ाया था। केदार की चीख सुनी थी उसने, तब सेना से पहले राहत पहुंचाया था। ऑल वेदर रोड का सपना देख, चारधाम को बारहमासी बनाया था। बोला था - भगवान के घर का रास्ता, बरसात के भरोसे क्यों छोड़ा जाए?।

2- ट्रांसफर में जब दलाली चलती थी, ऑनलाइन सिस्टम से ताला लगाया था। कहता था - राजनीति दुकान नहीं, लाइफटाइम कमिटमेंट सिखाया था।

विप की लाल बत्ती उतार कर, सादगी को अपना ब्रांड बनाया था। काफिला रोककर जाम खुलवाते थे, जनता का जनरल कहलाया था।

5 बार संसद, 2 बार सीएम बनकर भी, आ फॉर आदर्श ही कहलाया था। दिल्ली की सत्ता, दून की ममता, दोनों जगह ईमान निभाया था।वर्दी उतरी, वचन नहीं उतरा, दल बदला जा सकता है, देश नहीं। हे अनुशासन के सरदार, तुम्हें सलाम, तुम बेटर अप्रूव्ड थे, बेटर अप्रूव्ड ही रहोगे।

19 मई 2026 का दिन जब वो चला गया, पर छोड़ गया एक संकल्प हमारा। जनरल का अनुशासन जब प्रशासन का संस्कार बनेगा, तभी बनेगा विकसित उत्तराखंड हमारा। तभी बनेगा विकसित भारत हमारा। आज देहरादून मौन खड़ा है, संयुक नागरिक संगठन नमन कर रहा है। थापा, बहल, त्यागी, कोहली सब कहते हैं, खंडूड़ी इज किंग - अमर कह रहा है।

3- शव पर फूल चढ़ाने वालो आज ये संकल्प लो सता में रह कर ईमानदारी और अनुशासन से ही जनकल्याण करेंगे शव पर फूल चढ़ाने वालो, फूल नहीं, फर्ज चढ़ाओ ज़रा एक पल रुक जाना। माला पहनाने से पहले, खुद से ये सवाल कर जाना।

क्या जनरल की ईमानदारी अपनी कुर्सी पर लाओगे? नोट अप्रूव्ड की संस्कृति छोड़, सेम डे अप्रूव्ड बन जाओगे? क्या मेहनत उसकी ओढ़ोगे, जो 36 साल सीमा पर डटा रहा? एसी कमरे से निकल कर, गांव-गांव, बर्फ में भी गया रहा?

क्या अनुशासन वो धारोगे, जो विप कल्चर तोड़ गया? लाल बत्ती उतार कर खुद, जाम में जनता संग खड़ा हो गया?

लोकायुक्त बनाया था उसने, खुद पर भी लागू किया था। क्या तुम भी अपना गिरेबान, जनता के आगे खोल सकोगे?

एसडीआरएफ बनाई आपदा में, ऑल वेदर रोड का सपना देखा। क्या तुम भी कुर्सी से उतर, पहाड़ का दर्द देख सकोगे?

4- राजनीति दुकान नहीं कहा था, लाइफटाइम कमिटमेंट माना था। क्या तुम भी 5 साल का ठेका छोड़, उम्र भर देश को जानोगे?फूल तो मुरझा जाएंगे कल, मालाएं सूख जाएंगी। पर आ फॉर आदर्शबन जाओ, तो यही सच्ची श्रद्धांजलि कहलाएंगी।

वरना ये पुष्पांजलि भी, एक रस्म-अदायगी रह जाएगी जनरल की आत्मा पूछेगी मेरे जैसा बनकर दिखाओ, तब मानूंगा

शव पर फूल ही नहीं, संकल्प भी चढ़ाएंगे, तेरे हर कानून को लागू कराएंगे। जब तक पहाड़ जिंदा है, याद रखेगा, एक फौजी सीएम भी हुआ करता था।

तो नेता जी हाथ जोड़कर विनती है, श्रद्धांजलि का मान रखना। फूल नहीं, फर्ज चढ़ाओ खंडूरी बनकर दिखाओ, तभी आना।

जय हिंद। जय अनुशासन। विनम्र श्रद्धांजलि तभी सच्ची होती है, जब कर्म खंडूरी के समान हो।

●अर्जुन कोहली

सेवानिवृत्त शिक्षक सोशल एक्टिविस्ट
सदस्य, संयुक्त नागरिक संगठन, देहरादून

गरुड में सरकार जनता के द्वार अभियान में गूंजीं ग्रामीणों की समस्याएं

बागेश्वर(आरएनएस)। विकासखंड गरुड़ के ग्वाडपजेड़ा गांव में आयोजित सरकार जनता के द्वार कैंप एवं तहसील दिवस ग्रामीण जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरा। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों ने पेयजल, स्वास्थ्य, आवास और श्रम विभाग से जुड़ी अनेक समस्याएं खुलकर रखीं, जिन पर अधिकारियों ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी गरुड़ वैभव कांडपाल ने की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तहसील दिवस में सबसे अधिक चिंता का विषय गांव में पेयजल संकट और मूलभूत सुविधाओं की कमी रही। ग्रामीणों ने जल संस्थान के अधिकारियों को अवगत कराया कि गर्मियों के दौरान कई इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त आंगनवाड़ी केंद्र में किचन व्यवस्था की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान श्रम विभाग की योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने मांग की कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। इस पर प्रशासन की ओर से योजनाओं की पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने की बात कही गई।

उपजिलाधिकारी वैभव कांडपाल ने जानकारी दी कि आगामी 1 जुलाई से जीरामजी योजना के अंतर्गत गौशाला एवं आवास सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से दवाओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी भी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

तहसील दिवस में सुरक्षा दीवार निर्माण, आवासीय समस्याएं तथा अन्य आधारभूत विकास कार्यों को लेकर भी ग्रामीणों ने अपनी मांगें रखीं। ग्राम प्रधान मनोज कुमार समेत अनेक ग्रामीणों ने गांव की प्रमुख समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। अधिकारियों ने अधिकांश शिकायतों के त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाते हुए लोगों से सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का यह मंच क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास और अपेक्षाएं दोनों मजबूत होती दिखाई दीं।

श्रम विभाग के अधिकारी से मांगा स्पष्टीकरण

बागेश्वर(आरएनएस)। तहसील दिवस पर श्रम विभाग का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। जब लोगों ने पोर्टल होने की शिकायत की तो उन्हें जवाब देने वाला कोई नहीं था। इसपर एसडीएम वैभव कांडपाल ने कड़ी आपत्ति जताई। विभागीय अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर विभागीय कार्रवाई करने भी भी चेतावनी दी है। तहसील सभागार में आयोजित तहसील दिवस में ग्वाड़ पजेना के पुरुषोत्तम जोशी ने शिकायत की। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों से वह तहसील स्थित श्रम विभाग के कार्यालय में चक्कर काट रहे हैं, लेकिन श्रम विभाग का पोर्टल चार माह से बंद पड़ा है।उन्होंने कहा कि जिस विभाग से उन्हें रोजगार की उम्मीद होती है उसका पोर्टल बंद है। इस कारण उनके श्रम कार्ड भी अपडेट नहीं हो पा रहे हैं। जोशी की शिकायत पर एसडीएम ने संज्ञान लिया और संबंधित विभाग से कारण पूछा। पता चला कि यहां विभाग का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसपर एसडीएम का पारा चढ़ गया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं।

पनगड़ नौगांव और बलियाण कोटाई के ग्रामीणों को पेयजल का इंतजार

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनुपर ब्लॉक के ग्राम पंचायत परोगी के पनगढ़ नौ गांव और बलियाण कोटाई तोक के परिवार जल जीवन मिशन से नहीं जुड़ पाए हैं। हंस फाउंडेशन ने योजना का कार्य अधूरा में छोड़ा दिया है जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।वर्ष 2023-24 में परोगी गांव के पनगढ़ नौ गांव और बलियाण कोटाई तोक को जल जीवन मिशन से जोड़ने का कार्य हंस फाउंडेशन को दिया गया था। फाउंडेशन ने जलघटी पेयजल स्रोत से करीब चार किलोमीटर लंबी पेयजल लाइन और पेयजल टैंक का निर्माण करवाया लेकिन पेयजल टैंक से आगे घरों तक पेयजल लाइन नहीं बिछाई गई। परोगी के पूर्व ग्राम प्रधान रमेश प्रसाद, वासुदेव लेखवार बताया गांव के दोनों तोक में करीब 20 परिवार रहते हैं लेकिन पेयजल व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को करीब आधा किमी दूर पेयजल स्रोत से पानी लाना पड़ता है। गर्मी के दिनों में स्रोत में पानी की कमी हो जाती है जिससे ग्रामीणों को दो से तीन किलोमीटर दूर अलगाड़ और क्यारी गाड से पेयजल की व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्रामीणों की ओर से प्रशासन से जल जीवन मिशन योजना के आधा-अधूरे कार्य को पूरा करने की गुहार लगाई है। देखरेख के अभाव में टैंक तक भी पानी की विधिवत सप्लाई नहीं हो पाती है। दो वर्ष का समय बीतने के बाद भी ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया।

नौनिहालों को एनीमिया मुक्त बनाने की पहल

विकासनगर(आरएनएस)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटी कनासर और त्यूणी में आशा कार्यकर्ताओं व एएनएम की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को आयरन सिरप वितरित किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में एनीमिया की रोकथाम और पोषण स्तर को बेहतर बनाना है। नियमित बैठकों के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों को जागरूक किया जाता है ताकि वे समुदाय में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचा सकें।

अघोषित विद्युत कटौती पर कांग्रेस का फूटा गुस्सा

रुद्रपुर(आरएनएस)। शहर में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस पार्षदों, कार्यकर्ताओं ने डीजीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तत्काल बिजली व्यवस्था में सुधार और अघोषित कटौती बंद करने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शहर की कई कॉलोनियों और मलिन बस्तियों में प्रतिदिन 8 से 10 घंटे की अघोषित बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

भीषण गर्मी में छोटे बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का घरों में रहना तक मुश्किल हो गया है। नेताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन ऊर्जा निगम सप्लाई व्यवस्था को सुचारू रखने में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है।

लगातार हो रही लंबी कटौती से व्यापारियों और छोटे कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया का भी विरोध किया। कहा विभाग जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहा है, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट मीटर को आम जनता का 'खून चूसने वाला मीटर' बताते हुए इसे बंद करने की मांग की। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि उत्तराखंड विद्युत उत्पादन करने वाला प्रदेश होने के बावजूद जनता को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस जनता को साथ लेकर बड़ा आंदोलन करेगी। प्रदर्शन में सौरभ राज बेहड़, मोहनलाल खेड़ा, शुभम शर्मा, इंद्रजीत सिंह, सौरभ शर्मा, गौरव गिरी, अशफाक अंसारी, प्रवेश कुरैशी, साजिद खान, मोनिका ढाली, रणजीत राणा, अनंत विश्नोई, राजेंद्र मिश्रा, राजू कोली, रिजवान खान, समप्रीत ग्रोवर, विक्की विर्क, विजय पुजारा, राकेश कोली, सोहेल खान, आकाश यादव, अमर कश्यप, शुभम ठाकुर, विवेक यादव, योगेश शर्मा, प्रदीप कश्यप, दीपक मौर्य, अजय सिंह, सोनू गुप्ता, तुषार वर्मा, कुणाल शर्मा, प्रदीप शर्मा, भगवान दास, प्रवेश शर्मा, भूपराम, अंकित राठौर, रोहित मौर्य, राजा, रोहित सागर, शाहिद आदि मौजूद रहे।

डेंगू को लेकर विभाग अलर्ट, अस्पताल में रखा दवा का पर्याप्त स्टॉक

चमोली(आरएनएस)। डेंगू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुट गया है। आशाओं के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं साथ ही पुराने संवेदनशील जगहों को चिह्नित कर सतर्कता बरती जा रही है। अस्पतालों में भरपूर दवाएं और जांच किट रखी गई हैं।

कर्णप्रयाग और गौचर डेंगू के लिए संवेदनशील है। कर्णप्रयाग उपजिला अस्पताल में वर्ष 2023 में डेंगू के 300 से अधिक मामले आए थे। हालांकि उसके बाद दो वर्षों तक राहत रही। बावजूद विभाग अपनी तैयारियों में जुटा है। सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि अस्पताल में भरपूर दवा और जांच किट आदि हैं। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर आशाओं के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। वर्ष 2023 के हॉटस्पॉट रहे स्थानों पर खास सतर्कता अभियान चलाया जा रहा है।

कर्णप्रयाग के बाजार और घनी आबादी वाले वार्ड, गौचर, कालेश्वर सहित अन्य स्थानों पर निरीक्षण आदि भी किया जाएगा। सफाई निरीक्षक बंटी मौर्या ने बताया कि बाजारों में फॉगिंग की जा रही है। साथ ही ब्लीचिंग, मेथाइलीन, क्लोरोक्वीन आदि दवाओं का एक माह का स्टॉक है। झाड़ियां कटान और साफ-सफाई भी की जा रही है।

सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता का कहना है कि जिले के सभी अस्पतालों में डेंगू के निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। संवेदनशील जगह के अस्पतालों के लिए मच्छरदानी युक्त बिस्तर और जांच किट आदि तैयार हैं।

महिला समूह बेचेंगे यात्रा मार्ग पर बुरांश का जूस और पहाड़ी उत्पाद

नई टिहरी(आरएनएस)। चंबा-धरासू हाईवे पर कमांद कोटीगाड में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के वित्तीय सहयोग से महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार को बढ़ावा देने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु अस्थाई आउटलेट कैनोपी आवंटित की गई।

एनआरएलएम की अध्यक्ष बबली भट्ट और उत्तराखंड ग्रामीण बैंक कमांद के शाखा प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि यात्रा मार्ग पर कैनोपी पर महिला समूह की ओर से बुरांश, माल्टा जूस, नींबू पानी, जल जीरा, लस्सी, छांछ, पहाड़ी नमक, पुलम, आड़ू, सेब आदि बिक्री की जाएगी। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। बैंक के सहायक प्रबंधक शुभम कुमार दुबे ने महिलाओं को स्वरोजगार एवं वित्तीय जागरूकता के लिए प्रोत्साहित किया।

एनआरएलएम के अध्यक्ष बबली ने कहा कि महिलाओं की आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस मौके पर अतोला देवी, सुनीता देवी,मीना देवी, पूजा देवी आदि मौजूद थे।

घर बैठे बनेंगे नए राशन कार्ड, ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

चमोली(आरएनएस)। जून माह से देवाल में नए राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू होगी। अब लोगों को राशन कार्ड संबंधी कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यह सुविधा घर बैठे ही उपलब्ध होगी। 30 मई तक राशन कार्डों का सत्यापन होगा और जून माह से नया राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रदेश में यह व्यवस्था पहले ही लागू हो चुकी है लेकिन चमोली जनपद में जून से प्रभावी होगी। लोग यूनिफाइड राशन कार्ड प्रबंधन प्रणाली पोर्टल के माध्यम से नया राशन कार्ड बनवाने, नाम जोड़ने, हटाने या किसी भी प्रकार का संशोधन करने के लिए आवेदन कर सकेंगे।

जिला पूर्ति निरीक्षक अंकित पांडे ने बताया कि 30 मई तक सत्यापन कार्य जारी है और जून से नए राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। नए राशन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए यूनिफाइड राशन कार्ड प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर जाना होगा। यहां आधारकार्ड आधारित ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करना होगा। आवेदन के दौरान आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। यह सुविधा घर बैठे ही उपलब्ध होगी जिससे समय और श्रम की बचत होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आप खर्राटों से परेशान हैं?

खर्राटे की समस्या आम हो गई है और इन खर्राटों की वजह से दूसरे लोगों की नींद खराब होती है। लेकिन अगर लोग आदत मानकर इस समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं तो यह बड़ी गलती है। सोते समय सांस लेते समय जब तेज आवाज होती है, उसे ही खर्राटे कहते हैं। खर्राटे की आवाज आनी तब शुरू होती है जब गले की त्वचा में हवा के बहाव की वजह से ऊतकों में वाइब्रेशन पैदा होती है और नाक या मुंह से खर्राटों की आवाज आ सकती है। नाक के वायुमार्ग में रुकावट, मांसपेशियों की कमजोरी, गले के ऊतकों में भारीपन इसका कारण हो सकता है। यही नहीं यूव्यूला टीश्यू के आकार बढ़ने और नरम होने के कारण भी यह स्थिति हो सकती है। यूव्यूला टीश्यू गले के बीच में लटक रहे ऊतक को कहते हैं।

खर्राटों के लिए कोई चमत्कारी इलाज नहीं है, लेकिन जीवनशैली में बदलाव करके और आसान घरेलू उपाय अपनाकर इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। वहीं कुछ टिप्स भी कारगर हो सकते हैं। वजन ज्यादा हो तो पहले वजन कम करने पर ध्यान दें क्योंकि ज्यादा वजन वालों के गले के अतिरिक्त ऊतक खर्राटों की समस्या बढ़ जाती है। पीठ के बल सोने की बजाए करवट लेकर सोएं। लेटने से पहले सिर को चार इंच ऊपर उठाकर सोएं। इसके लिए सिर के नीचे एक से ज्यादा तकिया लगाकर रखें। इससे गले के ऊतकों का बचाव होता है।

घी

घी को हल्का गर्म कर एक-एक बूंद नाक के दोनों छेद में डालें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले और सुबह उठने के तुरंत बाद करें। घी में मौजूद औषधीय गुण नाक के जमाव को कम करने में सहायता करते हैं।

हल्दी

रोजाना सोने से पहले गर्म दूध के गिलास में दो चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर सोने से आधा घंटे पहले पिएं। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो कि खर्राटों को भी कम करने में मदद करते हैं। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

इलाइची

इलाइची बंद नाक को खोलने में मदद करती है। नाक खुलने से हवा के आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होती है जिससे खर्राटे कम आएंगे। इसके लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच इलाइची पाउडर डालें और सोने से आधा घंटा पहले पिएं।

भाप

एक कटोरे में पानी लेकर गर्म करें। इसमें टीट्री ऑयल मिला दें। इसके बाद 10 मिनट तक गहरी सांस लेकर भाप लेने की कोशिश करें। इससे नाक का जमाव दूर होता है। रोज रात सोने से पहले यह उपाय करें।

लहसुन

पहले एक या दो फाके कच्चे लहसुन के खाएं और फिर एक गिलास पानी पिएं। रोज रात को सोने से पहले यह करें। लहसुन नाक में जमा बलगम कम करता है। साथ ही श्वसन प्रणाली की सूजन भी कम करने में मदद करता है। साइनस के कारण आने वाले खर्राटों को कम करने के लिए लहसुन का उपाय सर्वश्रेष्ठ है।

शब्द सामर्थ्य -040

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

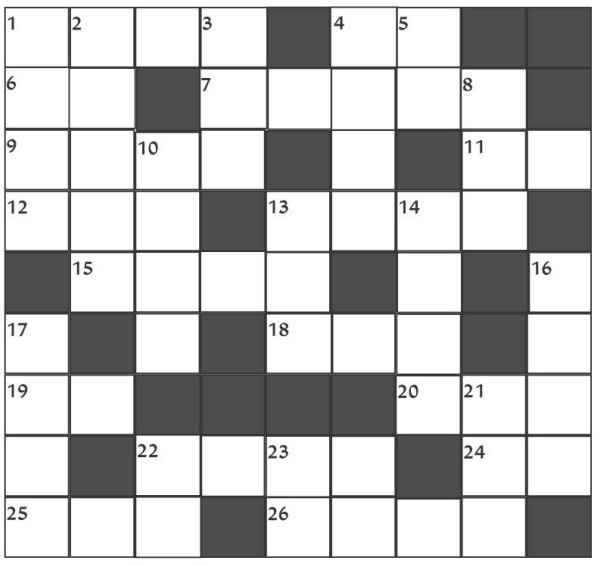

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 39 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

अपने डेस्क को व्यवस्थित करने के लिए अपनाएं ये हैक्स, ध्यान केंद्रित करना होगा आसान

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं तो आपका डेस्क काफी हद तक आपके काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। एक साफ-सुथरा और व्यवस्थित डेस्क न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपके दिमाग को भी शांत रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

जरूरी चीजों को पास रखें : अपने डेस्क पर उन चीजों को हमेशा रखें, जो आपके लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। जैसे कि आपके कंप्यूटर का माउस, कीबोर्ड और फोन का चार्जर आदि। इसके अलावा अगर आपको अक्सर कोई कागज चाहिए होता है तो उसे भी सामने रख लें। इससे आपको बार-बार उठकर चीजें ढूंढनी नहीं पड़ेगी और आपका समय बचेगा। इसके साथ ही आप बिना किसी रुकावट के अपना काम कर पाएंगे और आपका ध्यान भी बंटेगा नहीं।

एक समय पर एक ही काम करें : एक ही समय पर एक ही काम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका ध्यान बंटेगा नहीं और आप ज्यादा काम कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप ई -मेल देख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही अगले काम पर जाएं। इसी तरह अगर आप कोई रिपोर्ट लिख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही दूसरे काम पर जाएं। इससे आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप बेवजह की रुकावटों से बच सकेंगे।

फालतू सामान हटा दें : अपने डेस्क से फालतू सामान हटा दें, जैसे कि पुराने कागज, खाली पेन या कोई ऐसा सामान, जो अब आपकी जरूरत नहीं रहा। इससे आपका डेस्क साफ-सुथरा रहेगा और आपको काम करने में आसानी होगी। आप चाहें तो कुछ पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे। एक साफ-सुथरा डेस्क आपके मनोबल को भी बढ़ाएगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

रंगों का सही चयन करें : रंग भी आपके काम करने के माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। हल्के रंगों का इस्तेमाल करें, जैसे कि हल्का नीला या हरा, जो आंखों को आराम देते हैं और ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो कुछ छोटे-छोटे पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और आपके मनोबल को बढ़ाएंगे। सही रंगों का चयन करने से आपका काम करने का माहौल बेहतर होगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

तकनीक का इस्तेमाल करें : आजकल कई ऐसी तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं, जो आपके काम को आसान बना सकती हैं। जैसे कि डिजिटल नोटबुक और स्मार्ट ऑर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। ये उपकरण न केवल आपका समय बचाएंगे, बल्कि आपके काम में भी सुधार करेंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि आपका मनोबल भी मजबूत रहेगा।

एयर कूलर की इन तरीकों से करें सफाई, लंबे समय तक मिलेगा फायदा

गर्मियों के दौरान घर को ठंडा रखने में एयर कूलर काफी मदद कर सकता है। हालांकि, अगर आप इसे सही तरीके से इस्तेमाल नहीं करते हैं तो इससे घर को ठंडक देने के बजाय गर्मी महसूस होने लगती है। इसके अलावा एयर कूलर की लगातार इस्तेमाल से इसके पंखे के ब्लेड और पानी के पंप में गंदगी जमने लगती है, जिससे इसका ठंडक देने का असर कम हो जाता है।

एयर कूलर की बाहरी सफाई करें

एयर कूलर की बाहरी सफाई के लिए सबसे पहले इसे बंद कर दें, फिर इसके पंखे के ब्लेड, जाली और सामने के हिस्से को गर्म पानी और लिक्विड साबुन से साफ करें। इसके अलावा एयर कूलर के बाहरी हिस्से पर लगे धूल के कणों को हटाने के लिए उसे कपड़े से पोंछें। अगर आपके एयर कूलर पर कोई निशान है तो उसे हटाने के लिए टूथपेस्ट और पानी का मिश्रण बनाकर उससे साफ करें। इससे कूलर चमकदार दिखेगा।

एयर कूलर के पानी की टंकी को ऐसे करें साफ

एयर कूलर के पानी की टंकी को साफ करने के लिए सबसे पहले इसे बंद करें, फिर टंकी के पानी को बाहर निकालकर इसे गर्म पानी से भरें। इसके बाद टंकी में 2-3 कप सफेद सिरका डालें और इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद टंकी को पानी से भरकर उसका पानी बाहर निकाल दें। इस तरह से टंकी की सफाई से इसमें मौजूद गंदगी दूर हो जाएगी।

एयर कूलर के पानी के पंप की सफाई भी है जरूरी

एयर कूलर के पानी के पंप के लिए गर्म पानी और लिक्विड साबुन का घोल बनाकर उसमें एक कपड़ा भिगोएं, फिर उससे पानी के पंप को साफ करें। इसके अलावा पानी के पंप की सफाई के लिए आप टूथपेस्ट और पानी के मिश्रण का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पानी के पंप की सफाई के साथ-साथ एयर कूलर की ठंडक देने की क्षमता भी बढ़ेगी।

एयर कूलर के पंखे को ऐसे करें साफ

एयर कूलर के पंखे को साफ करने के लिए सबसे पहले इसे बंद करें, फिर एक गीला कपड़ा लेकर उससे पंखे के ब्लेड को साफ करें। इसके बाद पंखे के ब्लेड पर टूथपेस्ट और पानी का मिश्रण लगाएं, फिर एक सूखे कपड़े से पंखे को पोंछ लें। अगर आप पंखे को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो उसके लिए सिरके और पानी के घोल का इस्तेमाल करें।

राम चरण की पेड्डी में शामिल हुई श्रुति हासन

सुपरस्टार राम चरण की फिल्म पेड्डी का टीजर पहले ही फैंस की उत्सुकता को बढ़ा चुका है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह 4 जून को सिनेमाघरों में आएगी। ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रुति हासन को शामिल कर लिया गया है और उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। हालांकि श्रुति किसी किरदार के लिए नहीं, बल्कि हाई-एनर्जी डांस नंबर के लिए फिल्म का हिस्सा बनी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रुति को फिल्म वाराणसी के लिए संपर्क किए जाने की खबरों के बाद इस परियोजना में शामिल किया गया है, जो भारतीय सिनेमा में उनकी बढ़ती मांग और उपस्थिति को और दर्शाता है। अभिनेत्री गाने की शूटिंग कर रही हैं, जिससे पेड्डी में एक और रोमांचक तत्व जुड़ जाएगा। पहले से फिल्म के अन्य गाने चिकरी चिकरी और राय राय रा रा, अपने जोशीले संगीत और शानदार डांस के जरिए यूट्यूब पर धमाल मचा चुके हैं।

बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म पेड्डी, राम चरण की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। इसकी कहानी 1980 के दशक के ग्रामीण आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें अभिनेता एक पहलवान के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनकी जोड़ीदार के तौर पर जाह्नवी कपूर नजर आएंगी। वहीं शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में संगीत आस्कर विजेता एआर रहमान द्वारा दिया गया है।

नानी की द पैराडाइज 2 भागों में होगी रिलीज ?

साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज को देखने का इंतजार बढ़ गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान किया, जो 21 अगस्त, 2026 है। दरअसल, पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज होना था, जिससे इसकी टक्कर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और यश की टॉक्सिक से होने की संभावना थी। इस बदलाव के बीच द पैराडाइज के 2 भागों में रिलीज होने की चर्चा थी, जिसपर निर्माताओं ने प्रतिक्रिया दी है।

रिपोर्ट के हवाले से बताया, द पैराडाइज के निर्माताओं ने पुष्टि की है कि वह इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को स्टैंडअलोन के रूप में रिलीज करेंगे। मतलब यह कि फिल्म को कोई सीक्वल नहीं होगा। इसे एक स्वतंत्र प्रोडक्शन के रूप में रिलीज किया जाएगा, इसका किसी अन्य प्रोजेक्ट से कोई संबंध नहीं होगा। बताया जाता है कि निर्माताओं ने फिल्म के भविष्य को लेकर उत्सुक एक प्रशंसक के सवाल पर यह स्पष्टीकरण दिया है।

द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है जिसमें मुख्य अभिनेता के अलावा, राघव जुयाल, मोहन बाबू, तनिकेला भरानी, सोनाली कुलकर्णी, संपोर्नेश बाबू और ईश्वरी राव जैसे सितारे दिखेंगे।

निर्माताओं का दावा है कि यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म होगी। इसकी कहानी एक वंचित समूह के इर्द-गिर्द घूमेगी जो अपने अधिकारों के लिए सत्ता को चुनौती देता है। बता दें, नानी आखिरी बार फिल्म हिट- द थर्ड केस में नजर आए थे जो मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

46 की उम्र में उर्वशी ढोलकिया का दिखा ग्लैमरस अंदाज!

उर्वशी ढोलकिया भले ही इन दिनों छोटे पर्दे से दूर हों, लेकिन सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का ध्यान खींचा, जहां वो बिकिनी में कॉन्फिडेंट होकर पोज देती नजर आईं.

उर्वशी ढोलकिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं. जिसमें एक्ट्रेस बेहद ही ग्लैमरस लुक में दिखी. इन फोटोज में उर्वशी ब्लैक एंड रेड बिकिनी पहने नजर आ रही हैं. शॉर्ट हेयर्स सटल मेकअप में वो बला की हसीन दिख रही हैं. उर्वशी ने बिकिनी पहन अपने कातिलाना अंदाज से इंटरनेट पर कहर ढा दिया है, उनकी ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं. एक्ट्रेस की इन फोटोज को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. कमेंट सेक्शन में हर कोई उनकी तारीफ करता दिखा. एक फैन ने लिखा, आप आज भी वैसी ही दिखती हैं. बता दें, एक्ट्रेस ने 6 साल की उम्र में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर शुरू किया था. 2001 में शो कसौटी जिंदगी की में विलेन कोमोलिका बसु का किरदार निभाकर वो घर-घर में मशहूर हो गईं. उर्वशी दो जुड़वा बेटों की मां हैं. लेकिन 46 की उम्र में भी वो अपनी फिटनेस से कई यंग एक्ट्रेस को मात दे देती हैं.

गर्मी बढ़ते ही धधकने लगे जिले के जंगल

बागेश्वर(आरएनएस)। जिले में पिछले तीन दिनों से तापमान बढ़ने के साथ ही जंगलों में आग की घटनाएं तेज हो गई हैं। रात-दिन जंगलों के धधकने से वातावरण में धुंध और धुआं फैल गया है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लोगों ने वन विभाग से जंगलों की आग पर शीघ्र काबू पाने और आग लगाने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार तक जिले में लगातार बारिश होने से जंगलों में आग की घटनाएं थमी हुई थीं, लेकिन शनिवार से मौसम साफ होते ही जंगलों में आग लगनी शुरू हो गई। मंगलवार तक धरमघर, बागेश्वर और कपकोट रेंज के कई जंगल आग की चपेट में रहे। जंगलों में लगी आग से वातावरण प्रदूषित हो गया है। धुएं के कारण सांस और दमा के मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं आग के चलते दिन में गर्मी और तपिश भी बढ़ने लगी है।

आग से वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है, साथ ही जंगली जानवरों का रिहायशी क्षेत्रों की ओर रुख बढ़ गया है। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। दुग-नाकुरी तहसील के पचार समेत कई गांवों में बीते दो दिनों से रात के समय जंगली सूअरों की आवाजाही बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से आग पर जल्द नियंत्रण पाने की मांग की है। इधर डीएफओ आदित्य रत्न ने बताया कि सभी छह रेंज अधिकारियों को जंगलों की आग पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जहां से भी आग की सूचना मिल रही है, वहां वन कर्मियों को तुरंत भेजा जा रहा है। उन्होंने लोगों से भी आग बुझाने में सहयोग करने की अपील की है।

देश में 65 करोड़ लोग कर रहे सोशल मीडिया का इस्तेमाल

बागेश्वर(आरएनएस)। पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण अभियान के दूसरे दिन आयोजित प्रथम सत्र में वक्ताओं ने मीडिया और सोशल मीडिया के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

प्रदेश सोशल मीडिया सह संयोजक हीरा सिंह कर्म्याल तथा मुख्य वक्ता गंधार अग्रवाल ने कहा कि देश में करीब 65 करोड़ लोग सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं और औसतन लोग प्रतिदिन ढाई घंटे सोशल मीडिया पर व्यतीत कर रहे हैं। दूसरे सत्र में गोविंद सिंह टांगणिया और बसंत जोशी ने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी के कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में मीडिया का योगदान महत्वपूर्ण है। तीसरे सत्र में मदन राम आगरी और राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट ने सरकार की योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया। चौथे सत्र में पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल और राज्य मंत्री कैलाश पंत ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विधायक पार्वती दास, विधायक सुरेश गड़िया सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.040

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 39 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

छात्र-छात्राओं ने किया राजकीय पौधालय का शैक्षणिक भ्रमण

बागेश्वर (आरएनएस)। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे के निर्देशों के क्रम में मंगलवार को छात्र-छात्राओं के एक दल ने राजकीय पौंधालय (नर्सरी) का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान बच्चों को पौधों के रोपण, संरक्षण एवं देखभाल पॉलीहाउस, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, कटिंग, ग्राफ्टिंग, बडिंग, पौधों के रखरखाव की व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न फलदार एवं पुष्पीय पौधों की प्रजातियों से भी अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने नर्सरी में तैयार की जा रही पौधों की विविध किस्मों को करीब से देखा और उनसे संबंधित जानकारी प्राप्त की। पहली बार बड़ी संख्या में बच्चों को नर्सरी भ्रमण कराया गया, जिससे विद्यार्थियों में कृषि एवं उद्यानिकी के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला।कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हरीश जोशी ने बच्चों एवं किसानों को विभागीय योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा उद्यानिकी से जुड़ी संभावनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जनपद के प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए आधुनिक खेती एवं बागवानी के लाभों के बारे में जानकारी दी।

उद्यान निरीक्षक प्रमोद राणा ने बताया कि पौधालय भ्रमण को अधिक आकर्षक एवं सुगम बनाने के लिए जिला योजना 2026 के अंतर्गत 13.10 लाख रुपये की लागत से वॉकिंग ट्रेल निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसका निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में पौधालय परिसर में आगंतुकों के लिए दो बैंबू हट बनाए जाएंगे। साथ ही बाउंड्री वॉल पर पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण से संबंधित प्रेरक स्लोगन और पोस्टर अंकित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त परिसर में आम, लीची एवं अमरूद की उन्नत किस्मों के पौधों का रोपण किया जाएगा। इन प्रयासों से पौधालय को एक आकर्षक शैक्षणिक, पर्यावरणीय एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज तथा विक्टर मोहन जोशी राजकीय इंटर कॉलेज, बागेश्वर के छात्र-छात्राएं ,जनपद के कृषक, जिला उद्यान अधिकारी हरीश चंद्र आर्या,ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक कुलदीप जोशी, हरीश कोरंगा, प्रमोद सिंह राणा, शैलेश तिवारी एवं नंदन सिंह गढ़िया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीकोट को जोड़ने वाली सड़क बनी बदहाल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। विकासखंड के ग्राम सभा श्रीकोट को पुरोला-मोरी मुख्य मोटर मार्ग से जोड़ने वाली संपर्क सड़क की बदहाल बनी हुई है। महज तीन किमी की सड़क की हालत में विभाग सुधार नहीं कर पाया है जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डेढ़ दशक पहले बनी इस सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है। तीन किलोमीटर की दूरी तय करने में भी लोगों को लगभग एक घंटा लग जाता है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, उबड़-खाबड़ रास्ते और कीचड़ होने से आवाजाही बेहद कठिन हो गई है। बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं क्योंकि सड़क पर अब तक डामरीकरण और नालियों का निर्माण नहीं हो पाया है। सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश खत्री ने बताया कि गांव में करीब 55 परिवार निवास करते हैं और अधिकांश ग्रामीण नकदी व बेमौसमी सब्जी फसलों की खेती पर निर्भर हैं। गांव में सब्जी, राजमा और अन्य नकदी फसलों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है लेकिन सड़क खराब होने के कारण किसान समय पर अपनी उपज बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द सड़क की मरम्मत और डामरीकरण की मांग की है।

जंगल में लावारिस पड़ी हैं लाखों से बनीं खानपान की दुकानें

उत्तरकाशी(आरएनएस)। आपदा प्रभावित धराली गांव के लिए लाई गईं वेसाइट ईटरीज (मार्ग किनारे खानपान) दुकानें हर्षिल में तेलगाड़ के समीप जंगल के बीच धूल फांक रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन ने गलत स्थान पर दुकानों को स्थापित किया था। वहां क्षतिग्रस्त हाईवे की धूल उड़ने और पानी की आपूर्ति की कमी के कारण दुकानों का संचालन नहीं हो पाया। चारधाम यात्रा के तहत ग्रामोत्थान विभाग की ओर से धराली के आपदा प्रभावित ग्रामीणों के लिए लाखों की लागत से दस वेसाइट ईटरीज दुकानें हर्षिल में गंगोत्री हाईवे के किनारे तेलगाड़ में स्थापित की गई। उनके संचालन के लिए दस लोगों का लॉटरी के माध्यम से चयन भी किया गया। इसके बाद डीएम प्रशांत आर्य ने हीना और हर्षिल में लगी इन दुकानों का उद्घाटन भी किया। ग्रामीणों ने वहां दुकानें संचालित करने के लिए सामान आदि भी खरीदा लेकिन हाईवे से उड़ती धूल और पानी की आपूर्ति न होने से उनको दुकानें बंद करनी पड़ी। अब यह जंगल के बीच लावारिस पड़ी हुई हैं। रीप के परियोजना प्रबंधक कपिल उपाध्याय का कहना है कि कुछ लोग दुकान का संचालन कर रहे हैं। स्थान डीएम की अनुमति के बाद ही बदला जा सकता है।

थाना दिवस में उठा नशे और ट्रैफिक व्यवस्था का मुद्दा

बागेश्वर(आरएनएस)। बैजनाथ में आयोजित थाना दिवस में युवाओं में बढ़ते नशे, अवैध शराब बिक्री और यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए काउंसलिंग बेहद जरूरी है। लोगों ने पुलिस से नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। पूर्व ग्राम प्रधान प्रकाश कोहली ने गांवों में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। वहीं केसी आर्या ने सुबह के समय बार खुलने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सुबह छह बजे से ही शराब मिलने लगती है, जिससे क्षेत्र में शराबियों का आतंक बढ़ रहा है। व्यापार संघ अध्यक्ष डगोली ने कहा कि कई लोग सड़क किनारे बैठकर शराब पी रहे हैं, जिससे माहौल खराब हो रहा है। पंकज कंसेरी ने सुझाव दिया कि बार संचालक नियमों का पालन करें और बार से बाहर बोतलों में शराब देने पर रोक लगाई जाए। पूर्व प्राचार्य जीवन दुबे ने स्कूल समय के दौरान यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन की आवश्यकता बताई। वहीं ठाकुर सिंह मेहरा ने तलिहाट क्षेत्र में ग्राम प्रहरी की तैनाती और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग रखी। कोतवाल कैलाश नेगी ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी।

वनाग्नि रोकथाम को लेकर आयोजित हुई वनाग्नि चौपाल

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विकासखंड ताकुला सभागार में वनाग्नि चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें विकासखंड स्तरीय तथा ग्राम पंचायत स्तरीय वनाग्नि समितियों के सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में जंगलों में लगने वाली आग से जल स्रोतों, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को हो रहे नुकसान तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी एवं जिला स्तरीय वनाग्नि समिति के अध्यक्ष के निर्देशों के क्रम में आयोजित कार्यक्रम में सहायक नोडल वनाग्नि और शीतलाखेत मॉडल के संयोजक गजेंद्र कुमार पाठक ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से वनाग्नि के कारणों और उसके प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जंगलों में आग लगने का मुख्य कारण चीड़, पिरूल या घास नहीं, बल्कि मानवीय हस्तक्षेप है। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा में सिविल, पंचायती और आरक्षित वनों का क्षेत्रफल करीब एक लाख तीस हजार हेक्टेयर है, जिसकी सुरक्षा के लिए सीमित संख्या में वन बीट अधिकारी और फायर वॉचर तैनात हैं। ऐसे में जंगलों को आग से बचाने के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है।

खंड विकास अधिकारी केशर सिंह बिष्ट ने जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापवृद्धि के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए जंगलों को आग से सुरक्षित रखने पर जोर दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से मई और जून के दौरान खेतों और आबादी क्षेत्रों की आग को वन क्षेत्र तक पहुंचने से रोकने में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह बोरा, राजा यादव, विजय कैड़ा, महेंद्र सिंह बोरा, संदीप कुमार, वैश मोहम्मद, मोहित कुमार आर्या, हुकुम सिंह कुर्वाबी, भावना आर्या, कपिल पांडे, गिरिश चंद्र भट्ट, भुवन चंद्र आर्या, मनोज कुमार वर्मा, संतोष लोहनी, अर्जुन कुमार, अजय कुमार, भूपाल सिंह, सूरज बिष्ट, जलज पंत, जगदीश दानू, अमित खड़ाई और कुवर पाल सहित पंचायतीराज, ग्राम्य विकास, अग्निशमन और वन विभाग से जुड़े कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

समिति ने दी स्व. राजीव गांधी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति, उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद और दिशा संस्था के पदाधिकारियो ने डिस्पेंसरी रोड स्थित राजीव गांधी कांप्लेक्स में लगी भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की मूर्ति पर आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहां कि स्वर्गीय राजीव गांधी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्यों और खास तौर पर भारत में कम्प्यूटर युग के शुरू होने को हमेशा याद रखा जाएगा यही सच्ची श्रद्धांजलि राजीव गांधी के प्रति होगी। राजीव गांधी को याद करने वालों में प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, दानिश नूर, गुलाम मुस्तफा, अतुल शर्मा, विनोद असवाल, सुरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरदून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए कालोनी ट्रांसपोर्ट नगर निवासी उत्तम कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह पटियोवाला में एक हेल्थ क्लीनिक में गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल क्लीनिक के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

वहीं अजबपुर निवासी आदित्य घिल्डियाल ने स्पोर्ट अकादमी पथरीबाग के बाहर से अपनी स्कूटी चोरी होने का मुकदमा पटेलनगर कोतवाली में दर्ज कराया। इसके साथ ही कैलाश विहार लाडपुर निवासी रविन्द्र सिंह रावत ने रायपुर थाने में मालदेवता रोड से अपनी स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार बेचने के नाम पर ठगे डेढ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। कार बेचने के नाम पर डेढ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार बाजार जस्सोवाला निवासी कुशलमणी ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि उसका कार बेचने व खरीदने का काम है। उसके पास मानकपुर भगवानपुर हरिद्वार निवासी दुर्गा प्रसाद रतूडी व मौहब्बेवाला निवासी अश्वनी कुमार आये और अपनी कार बेचने की बात कहीं। जिसके बाद उसने उनको डेढ लाख रूपये एडवांस दे दिये। न तो वह कार लेकर आये और न ही उसके रूपये वापस किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शार्प शूटर गिरफ्तार...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

को साथ लेकर अपने एक अन्य दोस्त अक्षय, जिसको सहारनपुर मे गोली लगी थी तथा उसका इलाज मैक्स अस्पताल में चल रहा था, को देखने के बहाने देहरादून आये तथा रात्रि में चारों अजय बटेजा के जाखन स्थित घर में रूके, योजना के मुताबिक उसके द्वारा अपनी प्रेमिका जोया उर्फ उमेरा को अजय बटेजा के पास छोड दिया तथा खुद अपने अन्य साथियों के साथ मसूरी रोड स्थित शराब के ठेके में शराब लेने चला गया, जहां उनके द्वारा गाडी मे बैठकर शराब पी गयी तथा रात्रि करीब एक बजे योजना के मुताबिक आरोपी अकेले अजय बटेजा के घर पहुंचा तथा अमित बटेजा उसके साथी नीरज को बहाने से घर के बाहर से ही गाडी में बैठाकर अपने साथ ले गया। घर के अन्दर जाने के बाद हत्यारोपी द्वारा जोया का सहारा लेते हुये जानबूझकर अजय बटेजा को काफी शराब पिलायी तथा मौका देखकर तकिये से उसका का मुंह दबा दिया।

नशा होने के कारण मृतक अजय बटेजा छटपटा नही पाया और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गयी। घटना के बाद उसके द्वारा अजय बटेजा को पंखे पर लटकाने का प्रयास किया गया, जिससे हत्या की घटना को वह आत्महत्या का रूप दे सके, परन्तु जल्दबाजी में वह उसे पंखे से नही लटका पाया। इस दौरान उसकी नजर कमरे के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे पर पड़ी, पकड़े जाने के डर से उसने सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर निकाल कर अपने साथ ले गया। घटना के बाद वह आटो के माध्यम से अपनी प्रेमिका के साथ आईएसबीटी पहुँचा तथा वहां से बस में बैठकर सहारनपुर चला गया।

पुलिस के अनुसार हत्यारोपी राजन हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। जिसके खिलाफ कई थानों में लगभग दो दर्जन लूट, रंगदारी, हत्या के प्रयास सहित कई संगीन अपराधों के मुकदमें दर्ज है। मामले में अमित बटेजा व हुमेरा उर्फ जोया फरार है जिनकी तलाश जारी है।

सूचना क्रांति के जनक थे राजीव गांधीः गोदियाल

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के शहादत दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय, राजीव भवन राजपुर रोड़, में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने स्व. राजीव गांधी को भारत में सूचना क्रान्ति का जनक बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए भारत की एकता व अखण्डता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का सदैव ही पंचायतों की मजबूती व उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाये जाने पर जोर रहा है। पंचायतों की इसी मजबूती के लिए स्व. राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में कांग्रेस द्वारा संविधान में 73वें एवं 74वें संशोधन के माध्यम से पंचायतों को और अधिक प्रभुतासम्पन्न बनाने का कार्य किया गया। स्व. राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए भारत की एकता व अखण्डता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। स्व. राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी में ले जाने का जो सपना देखा था वह साकार हो गया है। प्रदेश चुनाव प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने स्व. राजीव को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उन्होंने कहा कि राजीव ने न केवल सूचना के क्षेत्र में नई क्रान्ति का संचार किया बल्कि पंचायतों की स्वायत्तता तथा मजबूती के लिए जो कार्य किया वह मील का पत्थर साबित हुआ है।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र सिंह भंडारी, राजेन्द्र शाह, मीडिया चेयरमैन राजीव महर्षि, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र रांगड़, प्रदेश महामंत्री अजय सिंह, प्रवक्ता अभिनव थापर, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, गरिमा दसौनी, राजेश चमोली, अमेन्द्र सिंह बिष्ट, अश्विनी बहुगुणा, गोदावरी थापली अल्पसंख्यक अध्यक्ष सुलेमान अंसारी, शीशपाल बिष्ट, पूर्व सैनिक बलवीर सिंह, पिया थापा, बब्बन सती, जगदीश धीमान, अखिलेश उनियाल, उपेन्द्र थापली, यशपाल चौहान सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

बेरोजगार मेडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट संघ का धरना तीसरे दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। बेरोजगार मेडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट संघ का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा।

आज एकता विहार धरना स्थल, देहरादून में बेरोजगार मेडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट संघ के बैनर तले लैब तकनीशियनों द्वारा तीसरे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा गया। अपनी लंबित मांगों को लेकर बेरोजगार लैब तकनीशियन विभिन्न जिलों से आकर अब भी धरना स्थल पर डटे हुए हैं। संघ का कहना है कि जब तक उनकी न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।

उन्होंने मांग की है कि लैब तकनीशियन के पदों का सृजन आईपीएचएस मानकों के अनुसार किया जाए। लैब तकनीशियन सेवा नियमावली बनाई जाए तथा भर्ती वर्षवार मेरिट के आधार पर की जाए। विगत 26 वर्षों से डिग्रीधारी लैब तकनीशियनों हेतु चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में कोई नियमित भर्ती नहीं हुई है, जिसके कारण अनेक अभ्यर्थी आयु सीमा पार कर चुके हैं। ऐसे अभ्यर्थियों को आयु सीमा में एकमुश्त छूट प्रदान की जाए।

धरनास्थल पर , आशीष खाली, गणेश गोदियाल, रजत नौटियाल, मयंक राणा, शैलेश रावत, दीपक जोशी, संजय जोशी, अनूप पयाल, शरद पाल आदि लोग मौजूद रहे।

पहाड़ और मैदान में 'लू' का टार्चर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मैदानी जिलोंकृदेहरादून, हरिद्वार, और उधमसिंह नगर में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि

❑प्रदेश के मैदानी जिलों में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के पार
❑पहाड़ के जंगलों में लगी आग ने कर दिया है लोगों का जीना मुहाल

मुक्तेश्वर, मसूरी, अल्मोड़ा और नैनीताल जैसे पहाड़ी हिल स्टेशनों पर भी तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जिन पहाड़ों में लोग कड़ाके की ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का सहारा लेते थे, वहां अब दोपहर के समय पंखे और कूलर चलाने की नौबत आ गई है।

दिल्ली, एनसीआर, यूपी और पंजाब की तपती गर्मी से राहत पाने के लिए जो पर्यटक भारी संख्या में मसूरी, नैनीताल या)षिकेश पहुंच रहे हैं, उन्हें भी यहां आकर पूरी राहत नहीं मिल पा रही है। हिल स्टेशनों पर भी दोपहर की चटक धूप सैलानियों को होटलों के कमरों में कैद रहने को मजबूर कर रही है। हालांकि, शाम के समय हल्की ठंडी हवाएं जरूर थोड़ी राहत दे रही हैं। गर्मी बढ़ने के साथ जंगलों में आग की घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं। चीड़ के जंगलों से उठती लपटें और धुआं पहाड़ की हवा को और जहरीला बना रहे हैं। कई इलाकों में दिनभर धुंध और धुएं जैसा माहौल बना हुआ है। पर्यावरण विशेषज्ञ इसे जलवायु परिवर्तन का बड़ा संकेत मान रहे हैं। शहरों में भी हालात आसान नहीं हैं। देहरादून, हल्द्वानी और ऋषिकेश जैसे शहरों में बढ़ती आबादी, कंक्रीट और वाहनों की संख्या ने गर्मी को और तीखा बना दिया है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम ही हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं आंशिक बादल छाने या तेज हवाएं चलने की संभावना जरूर है, लेकिन मैदानी इलाकों को अभी तपिश और लू का सामना करना पड़ेगा।

अगले 24 घंटे हीट वेव का अलर्ट, बच्चे-बुजुर्ग और कामकाजी लोग बरतें विशेष सावधानी

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे तापमान और हीट वेव के प्रभाव से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों के दौरान कई जिलों में भीषण गर्मी और हीट वेव की संभावना को देखते जिला प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर आ गया है तथा चिकित्सकों ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उधम सिंह नगर, नैनीताल तथा उत्तरकाशी के कुछ क्षेत्रों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है। मौसम निर्देशक सी.एस. तोमर ने बताया कि मैदानी जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच सकता है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भी तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है। राजधानी देहरादून में विगत बुधवार सुबह से ही तेज गर्मी और बढ़ते तापमान का असर महसूस किया गया। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और चिकित्सा इकाइयों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के झा ने लोगों से दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि अत्यंत आवश्यक कार्य से बाहर जाना पड़े तो सिर को छाते या कपड़े से ढकें तथा चेहरे को मास्क या सूती कपड़े से सुरक्षित रखें। डॉ. झा ने शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी एवं तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में तरबूज, नींबू पानी, जलजीरा, नारियल पानी और अन्य पानी युक्त फलों का सेवन लाभकारी रहेगा। उन्होंने बताया कि हीट वेव के दौरान चक्कर आना, सिरदर्द, तेज बुखार, उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम चिकित्सालय में संपर्क करना चाहिए, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण बन सकती है। जिला प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें तथा गर्मी से बचाव के सभी आवश्यक उपाय अपनाएं। प्रशासन का कहना है कि सावधानी और जागरूकता से ही हीट वेव के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर हीट वेव से संबंधित सहायता एवं शिकायतों के लिए जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सक्रिय कर दिया गया है। आमजन सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबर 2726066, 2626066 तथा व्हाट्सएप नंबर 7534826066 पर संपर्क कर सकते हैं।

फायर वॉचर की आग बुझाते हुए मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

हमारे संवाददाता

चमोली। बद्रीनाथ वन प्रभाग के बिरही क्षेत्र में जंगल की आग बुझाने गए एक फायर वॉचर की चट्टान से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार बदरीनाथ वन प्रभाग में इन दिनों जंगल जल रहे हैं। बिरही क्षेत्र में बीती शाम वन विभाग की टीम जंगल की आग बुझाने पहुंची थी। आग बुझाने के दौरान फायर वॉचर राजेंद्र सिंह पुत्र नंदन सिंह निवासी पाखी-जलग्वाड़, बदरीनाथ चट्टान से गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी और परिजन मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि राजेंद्र सिंह पिछले 8 वर्षों से वन विभाग के साथ फायर वॉचर के रूप में कार्य कर रहे थे और परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। इस घटना से परिजनों के साथ साथ स्थानीय लोगों में भी विभाग की लापरवाही पर भारी आक्रोश है।

नाराज लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों का घेराव करते हुए मृतक के परिवार को मुआवजा और पत्नी को नौकरी देने की मांग की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग आग पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हो रहा है। सरकार ने फायर वॉचर तो नियुक्त किए हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए हैं। भीषण जंगल की आग के बीच वन कर्मी और फायर वॉचर बिना संसाधनों के जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए।

बिना लाईसेंस शराब परोसने पर पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

संवाददाता

बागेश्वर। उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय देहरादून के निर्देशों पर प्रचलित 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस अधीक्षक बागेश्वर जितेन्द्र मेहरा द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही कर महत्वपूर्ण बरामदगी के निर्देश दिए गए। उपरोक्त निर्देशों के अनुपालन में कोतवाली बैजनाथ पुलिस टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर अवैध रूप से शराब पिलाने और बेचने वाले दो को गिरफ्तार किया हैं। कोतवाली बैजनाथ पुलिस टीम ने मैग्डी स्टेट स्थित दुकान में बिना लाइसेंस के ग्राहकों को अवैध रूप से शराब पिला रहे नन्दन सिंह पुत्र पान सिंह, निवासी मैग्डी स्टेट, कोतवाली बैजनाथ को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 08 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। उसके खिलाफ कोतवाली बैजनाथ में मुकदमा आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाली बैजनाथ पुलिस ग्राम घिरतोली में मंगल कुमार, पुत्र बाली राम, निवासी घिरतोली अपनी दुकान में अवैध रूप से बिना लाइसेंस के लोगों को शराब परोस रहा था। पुलिस ने मौके से 03 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद कर उसको हिरासत में लिया। इस संबंध में कोतवाली बैजनाथ में मुकदमा आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

लाखों की स्मैक सहित दो नशा तस्कर दबोचे

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लाखो रूपये की स्मैक बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना पुराला पुलिस द्वारा नशा तस्करों की एक सूचना के बाद क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान विकासनगर-बड़कोट मोटर मार्ग स्थित नौगांव सौली बैण्ड के पास बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये।

पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 8.91 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने

अपना नाम रमेश सिंह राणा पुत्र अर्जुन सिंह राणा, निवासी ग्राम फिताड़ी, थाना मोरी, उत्तरकाशी व लाखन सिंह रावत पुत्र अमीन सिंह रावत, निवासी ग्राम लिवाड़ी, थाना मोरी, उत्तरकाशी बताया।

पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

'धधक' रहे जंगल, घुट रही हैं 'सांसे'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ इन दिनों एक भयानक त्रासदी से गुजर रहे हैं। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक पहाड़ियों की ढलानें हरी-भरी वनस्पतियों के बजाय दावानल की नारंगी लपटों से धधक रही हैं। रात के अंधेरे में दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो पूरे पहाड़ ने आग की चादर ओढ़ ली हो। दिन के समय आसमान में सूरज की रोशनी धुंध और काले धुएं के पीछे छिप गई है। यह आग सिर्फ पेड़ों को राख नहीं कर रही, बल्कि उत्तराखंड की पारिस्थितिकी, वन्यजीवों और इंसानी जिंदगियों को भी अपनी चपेट में ले रही है।

यह मौसम पहाड़ में कई दुर्लभ पक्षियों और वन्यजीवों के प्रजनन का होता है। काफल, बुरांश और बांज के जंगलों में लगी इस आग ने काफल-पाको जैसे अनगिनत पक्षियों के घोंसले और उनके अंडों को जलाकर खाक कर दिया है। आग से बचने के लिए काकड़, गुलदार और जंगली सूअर आबादी वाले क्षेत्रों की तरफ भाग रहे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा और बढ़ गया है।

❑गढ़वाल और कुमाऊं के कई क्षेत्रों के जंगलों में लगी भीषण आग
❑पहाड़ की जलधाराओं, वन्यजीवों और पर्यावरण पर मंडराया संकट
❑आग से मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा और बढ़ने की संभावना

उत्तराखंड के जंगलों में गर्मियां आते ही आग जैसे नियति बन गई है। सूखी चीड़ की पत्तियां छोटी सी चिंगारी को भी भयावह आग में बदल देती हैं। कई बार यह आग गांवों तक पहुंच जाती है। लोगों के पशुओं के लिए चारा, जंगलों की जड़ी-बूटियां और पेयजल स्रोत तक इसकी चपेट में आ जाते हैं। पहाड़ के लोग कहते हैं कि जंगल जलते हैं तो केवल पेड़ नहीं मरते, गांव की जिंदगी भी धीरे-धीरे खत्म होने लगती है।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि जंगलों की आग अब मौसम और पर्यावरण को भी बदल रही है, जिन पहाड़ियों पर कभी ठंडी हवाएं बहती थीं, वहां अब धुएं की गंध महसूस होती है। गाड़-गदेरे और प्राकृतिक जलस्रोत सूखने लगे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।